

# मोजतबा खामेनेई को जिन्दा दिखाने के लिये ईरान ने वीडियो जारी किया

## इज़रायली मीडिया के खामेनेई की बेहद गंभीर हालत के दावे के बाद उनकी सेहत को लेकर चर्चाएं बढ़ गई थीं

तेहरान, 09 अगस्ता। इजरायली मीडिया की खबरें हैं कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच तेहरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने बिना तारीख वाला एक वीडियो जारी किया जिसमें वे अच्छी सेहत में दिख रहे हैं।

मोजतबा खामेनेई का यह वीडियो पहली बार सरकार से जुड़ी अर्ध-सरकारी ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने जारी किया। इससे पहले शुक्रवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी थी कि खामेनेई बेहद गंभीर हालत में हैं, जिससे उनकी सेहत और ठिकाने को लेकर अटकलें और बढ़ गईं।

खामेनेई ने, अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में मारे जाने

- पश्चिमी देशों से जुड़े सूत्रों के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली गाड़ी में खामेनेई से मिलाया गया था। कहते हैं कि खामेनेई बताया जाने वाला व्यक्ति पहले से पिछली सीट पर बैठा था। दोनों को एक-दूसरे को देखने व हाथ मिलाने से सुरक्षाकर्मियों ने मना किया था।

के कुछ समय बाद सुप्रीम लीडर का पद संभाला था। पद संभालने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और केवल लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है। खबरों में दावा किया गया है कि वे हमलों में घायल हो गए थे और तब से ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी अनिश्चितता को और बढ़ा दिया। उन्होंने सरकारी टीवी पर एक इंटरव्यू में कहा कि इस समय

गया।

इस मुलाकात की खबर ने ईरान के नए नेतृत्व से जुड़ी गोपनीयता पर और सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली एक गाड़ी की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई बताए जा रहे व्यक्ति पहले से ही बैठे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, गाड़ी की खिड़कियां ढ की हुई थीं और सुरक्षाकर्मियों ने दोनों व्यक्तियों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के जरिए ही बातचीत कर पाए।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बाद में पेजेशकियान ने इस बात पर सवाल उठाया कि मुलाकात के दौरान उन्होंने जो आवाज सुनी, वह असल में नए सुप्रीम लीडर की ही थी या नहीं।

## ‘हर घर तिरंगा’ से जुड़ें व विकसित भारत का संकल्प दोहरायें

नई दिल्ली, 09 अगस्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से ‘हर घर तिरंगा’ अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि विकसित भारत के निर्माण में

- प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की।

योगदान देने के हमें सामूहिक संकल्प को दोहराना चाहिए। उन्होंने खुशी जाहिर की कि इस वर्ष के प्रयास वंदे मातरम को समर्पित हैं और वह भी ऐसे समय में जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और राष्ट्र के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का निरंतर स्रोत है।

प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में संस्कृति मंत्रालय की अपील को साझा किया है। इसमें मंत्रालय ने अपील की है कि इस वर्ष इतिहास को अपनी तरह (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## रुस ने भारत को सीधे ट्रेन नेटवर्क का प्रस्ताव दिया

### रुस की योजना है कि उसकी मालगाड़ियाँ तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान व पाकिस्तान होते हुए भारत पहुंचें

मॉस्को, 09 अगस्ता। मध्य पूर्व में जारी सैन्य संघर्ष और समुद्री रास्तों पर बढ़ ते खतरों के बीच रुस ने एक ऐसा मास्टरप्लान सामने रखा है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार का पूरा नक्शा बदल सकता है। लाल सागर और मध्य पूर्व के समुद्री रास्तों में जहाजों पर मंडराते जोखिमों को देखते हुए रुस अब भारत और हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने के लिए जमीन पर रेल नेटवर्क बिछाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

अगर यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर उतरती है, तो रुस से चलने वाली मालगाड़ियाँ तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते सीधे भारत तक पहुंच सकेंगी।

रुस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने रूसी समाचार एजेंसी

- रुस के उपप्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने कहा कि इस रास्ते से समुद्री पायरेसी तथा सैन्य नाकेबंदी जैसे खतरों से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी तथा व्यापारिक जहाजों पर लगने वाला हफ्तों का समय बचेगा।

टीएएसएस को दिए एक इंटरव्यू में इस प्रस्तावित परियोजना से पर्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए रुस को नए और वैकल्पिक रास्तों को खोजना ही होगा।

मरात खुसनुलिन ने कहा, “हिंद महासागर तक रेल लिंक की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों के कारण हमें वैकल्पिक रास्तों की जरूरत है। तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरने वाले

मार्ग इसके विकल्प हो सकते हैं। भारत तक पहुंच प्रदान करने वाला कोई भी व्यावहारिक विकल्प हमें स्वीकार्य होगा।”

यह प्रस्तावित नेटवर्क धरातल पर लागू होने के बाद रुस और भारत के बीच बिना किसी समुद्री रुकावट के सीधा मालगाड़ी संपर्क स्थापित कर देगा।

रुस का यह प्रस्ताव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे समुद्री रास्तों पर बढ़ ता अतृप्तपूर्व संकट है। काला सागर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## आईएसआई द्वारा शहजाद भट्टी माॅड्यूल के जरिये 1 5 अगस्त को दिल्ली में आतंकी वारदात की आशंका

### दिल्ली पुलिस तथा सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर

नई दिल्ली, 09 अगस्ता। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस और तमाम केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अमृतसर पुलिस द्वारा पिछले हफ्ते गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान समर्थित आईएसआई आतंकी माॅड्यूल के दिल्ली कनेक्शन सामने आने के बाद स्पेशल सेल ने सक्रियता और बढ़ा दी है। इंटरनेट मीडिया पर नजर रखी जा रही है। पाकिस्तान से आने वाली कॉलस पर नजर रखी जा रही है। मुखबिर को अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को अंदेशा है कि आइएसआइ, शहजाद भट्टी माड्यूल का इस्तेमाल करके दहशत का माहौल पैदा करने के लिए 15 अगस्त से पहले दिल्ली में आतंकी वारदात करा

सकती है।

पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त पुछताछ में आतंकी वंश कुमार ने ऑपरेशन दिल्ली और जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक आतंकी देव सिंह ने विशाल उर्फ गंगू को दिल्ली जाने का निर्देश दिया था। यात्रा का खर्च उठाने के लिए एक स्थानीय दुकानदार के जरिए दो हजार की व्यवस्था की गई थी।

25 जुलाई की शाम अमृतसर रेलवे स्टेशन पर वंश कुमार, विशाल, रोहित, देव सिंह और सुखदीप सिंह एकत्र हुए थे। वहां से सभी ट्रेन में सवार होकर नई दिल्ली आए थे। नई दिल्ली से वे सभी सीधे जंतर-मंतर आ गए थे।

- पंजाब पुलिस को गिरफ्तार आतंकी वंश कुमार से पुछताछ के दौरान जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश तथा ऑपरेशन दिल्ली के बारे में जानकारी लगी थी। जंतर मंतर से ही एक हैडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया।

जंतर-मंतर पर उत्तर प्रदेश का रहने वाला एक अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति (जिसे पाकिस्तानी हैडलर ने भेजा था) इन आतंकियों से मिला था।

संदिग्ध व्यक्ति ने इन आतंकियों को आठ कांच की बोतलें सौंपी थी और जंतर-मंतर पर तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों, सेना और अर्धसैनिक बलों पर पेट्रोल बम से हमला करने के निर्देश दिए थे। जंतर-मंतर से ही एक हैडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने

संपर्क, जंतर-मंतर पहुंचने के रूट तथा अन्य फोरेंसिक व तकनीकी साक्ष्यों को

जुटाने में पंजाब पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है।

## पटना, कलकत्ता, बाॅम्बे व पंजाब को नये मुख्य न्यायाधीश मिलेंगे

नई दिल्ली, 09 अगस्ता। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पटना, कलकत्ता, बाॅम्बे और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के पद के लिए चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया, “6 अगस्त 2026

- भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सिफारिश की

को हुई सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## केरल में राजकीय कार्यक्रमों से पहले वंदे मातरम् की दो पंक्तियां ही गाई जायेंगी

## वंदे मातरम् पर केन्द्र के निर्देश और केरल सरकार के रुख से टकराव की स्थिति बनी

- केरल के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम् की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी।

कहा कि केरल में इस जीवनकाल में वंदे मातरम का पूरा गायन नहीं होगा। एक टीवी चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर मुख्य सचिव की ओर से किसी निर्देश की जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका पूरा गायन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा, भले ही नरेंद्र मोदी हमें गोली मारने की धमकी दें, तब भी वंदे मातरम का पूरा गायन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुरलीधरन और उजीथन की ये टिप्पणियां केरल के मुख्य सचिव विश्वनाथ सिन्हा की ओर से 6 अगस्त को जारी किए गए पत्र के बाद सामने आई हैं।

पत्र में कहा गया था कि “आजादी का अमृत महोत्सव” के

तहत 2022 में शुरू किए गए अभियान के 2026 संस्करण को राष्ट्रीय वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी समारोह के तीसरे चरण के साथ जोड़ा गया है। इस पहल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति ने मंजूरी दी थी।

निर्देश के अनुसार, इस अवधि के दौरान आयोजित होने वाले सभी प्रत्यक्ष कार्यक्रमों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन और राष्ट्रीय ध्वज फहराना या प्रदर्शित करना शामिल होगा। इसके अलावा, डिजिटल भागीदारी हर घर तिरंगा पोर्टल के माध्यम से की जानी है। इसके तहत नागरिक तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड कर सकते हैं।

## एनर्जी ड्रिंक्स पर अजीबो गरीब हंगामा

### एनर्जी ड्रिंक लेबल को लेकर पेय कंपनियों और फूड सेफ्टी रैगुलेटर में टकराव

- पैप्सिको, रैड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और मुकेश अंबानी की रिलायंस आदि कंपनियों को 90 दिन में एनर्जी ड्रिंक लेबल हटाने होंगे।
- इन कंपनियों ने लेबल हटाने के लिए एक साल का समय मांगा था। लेकिन फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने सख्ती से इनकार कर दिया।
- फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने कहा, अधिक कैफीन वाले पेय पर “एनर्जी ड्रिंक” शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

कैफीन वाले पेय पदार्थों से ‘एनर्जी ड्रिंक’ या ऐसा ही कोई दूसरा नाम हटा दें। एफएसएसआई का कहना था ऐसे उत्पादों के लिए कोई भारतीय स्टैंडर्ड नहीं है और इस शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

यूरोमॉनिटर के अनुमान के अनुसार, भारत में एनर्जी ड्रिंक की खुदरा बिक्री हर साल 12.6 की दर से बढ़ रही है, जो अमेरिका और चीन से भी तेज है। 2018 से 2023 के बीच खुदरा बिक्री में हर साल लगभग 100

प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और पिछले साल यह 90.7 करोड़ लीटर थी, लगभग 3 अरब से अधिक बोतलों या केन।

सरकार के सूत्र ने कहा कि एफएसएसआई समय सीमा बढ़ाने पर सहमत नहीं होगा, क्योंकि कई भारतीय राज्यों ने बताया है कि ऐसे पेय पदार्थों

का मौजूदा स्टॉक 60 से 90 दिनों में बेचा जा सकता है। सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि यह फैसला अभी सार्वजनिक नहीं किया

गया है। उद्योग के तीन सूत्रों के अनुसार, पेय कंपनियों ने इस फैसले को लागू करने के लिए कम से कम एक साल का समय मांगा है, क्योंकि बाजार में उनके लाखों केन या बोतलें मौजूद हैं या आयात किए गए केन के उनके ऑर्डर अभी लंबित हैं।

सरकार के अधिकारी ने कहा, कंपनियों ने इन्हें एनर्जी ड्रिंक के रूप में लेबल करके नियमों का उल्लंघन किया है। उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा है।

अधिकारी ने आगे कहा, उन्होंने एफएसएसआई को यह नहीं बताया है कि किस राज्य में कितना स्टॉक पड़ा हुआ है, जबकि उन्हें टेसेबिलिटी (उत्पाद का पता लगाने की क्षमता) सुनिश्चित करने के लिए इसे ट्रैक करना चाहिए था।”

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि बड़ी मात्रा में स्टॉक होने के कारण अलग-अलग राज्यों में मौजूद स्टॉक का हिसाब (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## धार में गुजरात के श्रद्धालुओं की बस दुर्घटनाग्रस्त, 6 की मौत

धार, 09 अगस्ता। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में

- बड़ोदरा के श्रद्धालु महाकाल के दर्शन करके लौट रहे थे, जब गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने सामने से वैन को जोरदार टक्कर मारी।

सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)